कैसे बीता मेरा आखिरी रविवार

How I Spent My Last Sunday

रविवार का दिन सभी के लिए मोहक होता है। यह दिन आराम फर्माने तथा मज़े करने का होता है। लोग उत्सुकता से इसकी प्रतीक्षा करते हैं। यह बाकी काम करने वाले दिनों से भिन्न होता है। सभी एक रात पहले देर से सोते हैं तथा रविवार को देर से उठते हैं। इस दिन किसी काम की जल्दी नहीं होती। अलग-अलग लोग इस दिन को अलग-अलग प्रकार से बिताते हैं।

मैं इस दिन सुबह देर से उठा। मैंने नहा-धो कर सुबह 8 बजे नाश्ता किया। नाश्ता करके मैं नेहरू बाग के लिए निकल पड़ा। मेरे मित्र पहले से ही वहाँ पहुँच चुके थे। हमने इस दिन के लिए क्रिकेट का मैच तय कर रखा था। विष्णु क्लब के खिलाड़ी भी वहाँ पर पहुँचे हुए थे। हम खेलने के लिए तैयार हुए। यह कुछ ओवरों का मैच था। हर टीम को चालीस ओवर खेलने थे।

10 बजे सुबह मैच शुरू हुआ। हमारी टीम ने पहले बल्लेबाजी करनी थी। आपनरों ने पारी की शुरुआत बहुत अच्छे से की। मैंने भी बल्लेबाजी में अपनी कला दिखाई। हमारी टीम ने 190 रन बनाए। मैंने 50 रन बनाए जो कि सबसे अधिक थे। विष्ण टीम के खिलाड़ी हमारी टीम के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाए। उनकी एक-एक करके सारी विकटें गिर गईं। 150 रन बनाकर ही उनकी पूरी टीम आऊट हो गई। हमने 40 रनों से यह मैच जीत लिया।

शाम को मैं घर लौटा। मैं बहुत थक गया था। मैंने अपनी माँ से एक गर्म कप चाय का पिलाने का अनुरोध किया। इससे मैं ताजा महसूस करने लगा। कछ देर मैंने टी.वी. देखा। हमारे अंकल कुछ देर के लिए हमे मिलने आए। हमने एक साथ रात का खाना खाया तथा बातें कीं। मैं जल्दी ही सोने चला गया। अगले दिन मैं सुबह जल्दी उठ गया। मुझ में बहुत ही ताजगी तथा काफी स्फूर्ति आ गई। इस प्रकार मैंने अपना आखिरी रविवार व्यतीत किया।